नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में प्रथम विस्तार परिषद् की बैठक का समापन

जबलपुर। आज दिनांक 15 नवंबर 2019 को नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति सभागार में प्रथम विस्तार परिषद् की बैठक का आयोजन किया गया है। विस्तार परिषद् बैठक की अध्यक्षता माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल जी, कुलपति, देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के मार्गदर्शन में तथा विशेष आंमत्रित अतिथिगण डॉ. डी.व्ही. रानगेकर, प्रख्यात पशु चिकित्सा एवं विस्तार विशेषज्ञ एवं पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भारतीय एग्रो इंडस्ट्रियल फाऊडेशन, अहमदाबाद (गुजरात) एवं डॉ. कुशमाकर शर्मा, पूर्व सहायक महा निर्देशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विस्तार परिषद् में विश्वविद्यालय एक्ट के अनुसार चैयरमेन, संचालक विस्तार शिक्षा, 18 संचालकगण, आचार्य एवं विभागध्यक्ष एवं प्रभारी विभागध्यक्ष पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विस्तार विभाग सचिव के रूप में नांमकित है। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति जी (कार्यक्रम अध्यक्ष), विशेष आमन्त्रित अतिथिगणों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। कार्यक्रम का स्वागत उद्बोधन डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार शिक्षा व चैयरमेन विस्तार परिषद् ने साथ ही विश्वविद्यालय में संचालित 6 विस्तार परियोजनाओं के उद्देश्य कार्यक्रमों एवं विभिन्न विस्तार गतिविधियों पर प्रस्तुतीकरण किया गया। इसी श्रृंखला में डॉ. सलिल कुमार जैन पूर्व संचालक, विस्तार शिक्षा ने विभागवार विस्तार गतिविधियों के प्रस्तावों का सारगर्भित प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम की श्रृंखला में कार्यसूची पर विस्तार पूर्वक गहन चिंतन किया गया, जिसके तहत् डॉ. डी.व्ही. रानगेकर ने विभिन्न शासकीय एवं गैरशासकीय संगठनों एवं पशुचिकित्सा विभाग एवं कृषि विभागों के साथ

आपसी सामन्जस्य स्थापित करने पर जोर दिया गया। साथ ही आमंत्रित अतिथि डॉ. कुशमाकर शर्मा जी ने कहा कि विस्तार परिषद् में प्रगतिशील कृषकों का समावेश एवं विश्वविद्यालय में पशुविज्ञान रेडियो पाठशाला, किसान कॉल सेंटर एवं स्व–सहायता समूहों के गठन पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपति जी ने महाकोशल क्षेत्र के लिये उन्नत पशुपालन हेतु प्रस्ताव तैयार करना, पशुचिकित्सा विस्तार फोरम, पशुधन संगठनों का गठन, हेल्पलाईन एवं मोबाईल ऐप को विकसित करना, पशु महिला सखी/मित्रों जैसे संगठनों का गठन पर प्रकाश डालते हुए सभागार में उपस्थित सदस्यों के बीच में भविष्य की रूपरेखा सुनिश्चित करने के आवश्यक निर्देश दिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिल कुमार गौर, सचिव, विस्तार परिषद् एवं आभार प्रदर्शन डॉ. ए.पी. सिंह, प्रभारी संचालक, जैव प्रौद्योगिकी के द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.,जबलपुर (म.प्र.)